इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय
Indira Gandhi National Tribal University
अमरकंटक (म.प्र.) || Amarkantak (MP)

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी
कुलपति

Ref. NO. IGNTU/2020/VC/10 Date: 13/04/2020

संदेश

प्रिय अभिभावकगण,

नमस्कार। एक अप्रत्याशित और गंभीर वैश्विक त्रासदी के समय आपसे कुछ कह रहा हूँ और स्थिति सामान्य होते ही मुझे आप सभी से मिलकर खुशी होगी। ''कोविड–19'' यमराज की धधकती निःश्वास की भाँति विश्व–मानव को निगल जाने की कोशिश कर रहा है। विश्वविद्यालय के विद्यार्थी जो मेरे अत्यंत प्रिय हैं, आज आपके पास, अपने परिवार के साथ हैं। इसकी मुझे प्रसन्नता भी है और संतोष भी। अपने अध्ययन और मनन केंद्र से दूर हैं, इसकी मुझे चिंता हैं।

आप स्वयं राष्ट्रीय संकट के इस कठिन समय के साक्षी हैं। ऐसी स्थिति के विषय में कभी आपने सोचा भी नहीं होगा। आपके बच्चे आपका संबल हैं। हमारे भी संबल हैं। आप भी इससे संतुष्ट होंगे। यह जानलेवा कोराना युद्ध अकेले लड़ने वाला युद्ध नहीं है। सामूहिक एकजुटता, सतर्कता, संयम और संतोष से ही इस युद्ध में विजयी हुआ जा सकता है।

आप अपनी संतान के तात्कालिक भी, सर्वकालिक भी हितचिंतक हैं, हितरक्षक हैं। आपने स्वयं भी आज की परिस्थिति का सामना करने के लिए अपने दायित्वों/कार्यों को एक निश्चित परिधि में केंद्रित कर लिया होगा। आपसे मेरा यह अनुरोध है कि अपने पुत्री/पुत्र/पाल्य को अध्ययन की ओर, स्वाध्याय की ओर मोड़ने का यत्न करें। एक युवा–मानस में ज्ञान और चिंतन का प्रकाश फैलाने का इसे आप एक अवसर मानें। उनमें योग्यता है, क्षमता है और किसी भी चुनौती का सामना करने की सामर्थ्य है।

हमारे विद्यार्थियों में अध्ययन की अद्‌भुत अभिरूचि है। आपने उन्हें संस्कार संपन्न किया है और जीवन पथ पर आगे बढ़ने के लिए सामर्थ्यवान बनाया है। उन्हें पारिवारिक प्रतिष्ठा, सामाजिक मर्यादा और राष्ट्र के ध्येय का ध्यान है। आप अपने बच्चों को निरंतर प्रोत्साहित करते रहें कि वे सदैव अपने अध्यापकों द्वारा ऑनलाईन व्यवस्था का लाभ लेते रहे और अपने शिक्षक/शोध–निर्देशक के संपर्क में बने रहें। मुझे पूरा विश्वास है कि आप ऐसा कर रहे होंगे।

पारिवारिक जीवन जीने और साथ रहने का जो समय हमें मिला है, वह कठिन है, पर इसे आपके सहयोग से जीवन–दायिनी संजीवनी में बदला जा सकता है। आपका अनुभव बच्चों से बहुत अधिक है, व्यापक है। उनमें साहस, संकल्प, सहयोग और स्नेह की धारा प्रवाहित करना आपका राष्ट्रीय कर्तव्य है, ऐसा मेरा मानना है। युवा–ऊर्जा को सकारात्मक सोच की दिशा में मोड़ना हम सब का दायित्व है, ध्येय है। आपके बच्चे इस संकट से उबरकर जब निकलें तो वह मानव मूल्यों के संरक्षण, संवर्धन में सहायक बनें और सामाजिक दायित्वों के अगुआ बनकर देश का नेतृत्व करें, विश्व मानवता का कल्याण करें।

राष्ट्र एक महानायक के कुशल नेतृत्व, संरक्षण और निर्देशन में विद्यमान विषाणु जनित महामारी को समाप्त कर देने की दिशा में द्रुत गति से अग्रसर है। अभीष्ट सफलता कुछ ही कदम दूर है। ऐसे में युवाओं के अंतर्मन में आशा और उत्साह का संचार करना भी हमारा परम कर्तव्य है। आप जानते हैं कि प्राण ही प्राण को पुलकित करता है और जीवनी–शक्ति ही जीवनी–शक्ति को प्रेरणा देती है।

इसी भाव से आप अपनी युवा संतानों को अनुप्राणित करें, मेरा आपसे यह विनम्र अनुरोध है। आप सदा स्वस्थ, निरोग, सुरक्षित, सक्रिय और प्रसन्न रहें। अपने बच्चों का ध्यान रखिए, अपनों का ध्यान रखिए, सबका ध्यान रखिए। माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री के संदेश/निर्देश एवं राज्य सरकार द्वारा समय–समय पर दिये जाने वाले दिशा–निर्देशों का पालन करें, सामाजिक दूरी बनाये रखें। आत्महित, परिवारहित, समाजहित और राष्ट्रहित के निमत्त अपने बच्चों का सकारात्मक सोच के साथ ध्यान रखें। आपके बच्चों का, आपका, आपके परिवारीजनों का मंगल हो।

प्रो. श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी

Amarkantak, District – Anuppur, Madhya Pradesh, PIN 484887
Phone : 07629 269710 || Fax 07629 269712 || eMail : vc@igntu.ac.in || website :www.igntu.ac.in

Scanned by CamScanner